SALTOC Project
Title: Ālocanā (Delhi, India)
Imprint: Dillī : Rājakamala Prakāśana Prāiveṭa lī
OCLC: 4094931
No. 03 (Oct-Dec 2000)
TOC Provided by Center for Research Libraries

आलोचना

त्रैमासिक

2000

सहस्राब्दी अंक *तीन*

अक्टूबर-दिसम्बर

प्रधान सम्पादक
नामवर सिंह

सम्पादक
परमानन्द श्रीवास्तव

सह-सम्पादक
अरविन्द त्रिपाठी

कला सम्पादक
हरीश आनन्द

प्रबन्ध सम्पादक
अशोक महेश्वरी

अनुक्रम

यह अंक 5

पुनः स्मरण

शिवदान सिंह चौहान : इतिहास के परिप्रेक्ष्य को सही करते हुए : **नामवर सिंह** 7
'आलोचना' क्यों : शिवदान सिंह चौहान
('आलोचना' के प्रथम अंक, अक्तूबर, 1951 में प्रकाशित सम्पादकीय) 14
शिवदान सिंह चौहान के पत्र नामवर सिंह के नाम 19

सरदार जाफ़री और नक़्दे-शेर : **शारिब रुदौलवी** (लिप्यंतरण : कु. कहकशाँ लतीफ़) 23

काव्य-परिदृश्य

प्रेमरंजन अनिमेष की दस कविताएँ 32

कवि की नोटबुक : **राजेश जोशी** 41

जन्मशती

'उग्र' का साहित्य : समय की निगरानी का लोक-साक्ष्य : **भवदेव पांडेय** 47
काल की समग्रता और जीवनानन्द दास : **शंख घोष** (अनुवाद : रामशंकर द्विवेदी) 55

आलोचना-परिदृश्य

मार्क्सवाद और विश्व साहित्य : **एजाज़ अहमद** (अनुवाद : प्रियदर्शन) 62
एडवर्ड सईद और उत्तर-उपनिवेशवादी अधिकल्पना : **राजनाथ** (अनुवाद : रामकीर्ति शुक्ल) 73
'टीकास्वयंवर' मराठी समीक्षा के नए आयाम : **चन्द्रकान्त पाटील** 83
आंग्ल भारतीय सन्दर्भ में साहित्यिक प्रभाव के अध्ययन का सैद्धान्तिक ढाँचा :
भालचन्द्र नेमाड़े (अनुवाद : निशिकान्त ठकार) 87

'असली' की असलियत : **बद्री नारायण** 91
बाजार और सांस्कृतिक बाजार : **मुद्राराक्षस** 98
परम्परा का एक पन्ना : स्त्री शिक्षा के मूल्य और हिन्दी नवजागरण (लड़कियों की पहली किताब) : **वीर भारत तलवार** 107

नाटक की दूसरी परम्परा : **राधावल्लभ त्रिपाठी** 114
दूसरे नाट्यशास्त्र की खोज : **देवेन्द्र राज अंकुर** 121

सृजन-परिदृश्य

स्वप्नभंग के बाद का आत्ममंथन : **भगवान सिंह** 127
समाजवादी सपने का यथार्थ : **खगेन्द्र ठाकुर** 137
जीवनधर्मिता की परख : **जयप्रकाश** 143
विचारधारात्मक पुनर्गठन और सांस्कृतिक प्रति-आक्रमण : **रेवतीरमण** 150
संस्कृति के सर्जनात्मक 'स्व' का अभिज्ञान : **राजेन्द्र कुमार** 157
एक आलोचक के विवेक का सबूत : **अरविन्द त्रिपाठी** 161

पत्र-संवाद

एक कलाकार की असहमति 166